CLASS-IV

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

परोपकार की भावना जीवन को ऊँचा उठाने वाली है। परोपकारी जीवन वास्तव में वही है, जो अपनी ओर से भी विमुख रहे। उसके सम्मुख दूसरे का भला ही हो। परोपकारी की यह भावना, उसकी आत्मा को विकास और विस्तार प्रदान करती है। उसे एक अनोखी आत्मिक शांति मिलती है। मानसिक शुद्धता के साथ–साथ चारित्रिक पवित्रता प्राप्त होती है। परोपकारी का जीवन समाज के लिए आदर्श बन जाता है और लोग उसे देवता मानने लगते हैं। क्योंकि जन साधारण और देवता में यही अन्तर है कि जन साधारण अपने लिए और देवता दूसरों के लिए सोचता है।

(i) परोपकार की भावना का क्या महत्व है?
(ii) वास्तविक परोपकारी कौन होता है?
(iii) परोपकार के क्या–क्या लाभ हैं?
(iv) जनसाधारण और देवता में क्या अंतर है?
(v) देवता में और कौन से गुण होने चाहिए?